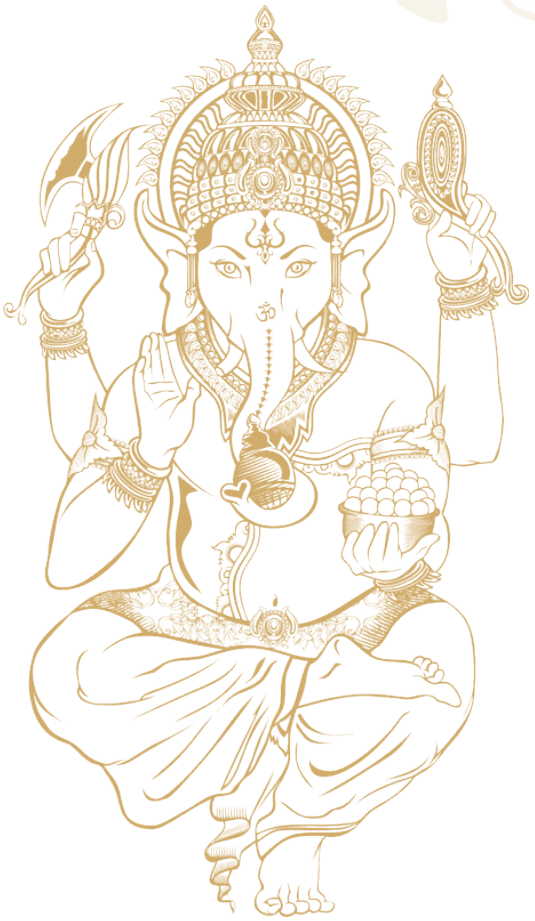

Anshul

25 Mar 2006

09:58 PM

Jind

Model: web-freekundliweb

Order No: 121627807

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25/03/2006**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**21:58:00 घंटे**
इष्ट	38:56:54 घटी
स्थान	**Jind**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:19:00 उत्तर
रेखांश	76:22:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:33:28 घंटे
वेलान्तर	-00:06:03 घंटे
साम्पातिक काल	09:45:26 घंटे
सूर्योदय	06:23:14 घंटे
सूर्यास्त	18:38:27 घंटे
दिनमान	12:15:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	10:56:11 मीन
लग्न के अंश	24:44:43 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	सिद्ध
करण	बालव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खे-खेमचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	24:44:43	305:57:27	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
सूर्य			मीन	10:56:11	00:59:28	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			मक	18:46:55	14:36:22	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	सम राशि
मंगल			वृष	25:03:08	00:33:32	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	सम राशि
बुध			कुंभ	19:14:17	00:00:40	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	सम राशि
गुरु	व		तुला	24:14:31	00:03:49	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			मक	24:25:53	00:59:26	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	मित्र राशि
शनि	व		कर्क	10:32:23	00:01:11	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	10:24:47	00:00:16	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	सम राशि
केतु	व		कन्या	10:24:47	00:00:16	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	18:08:19	00:03:14	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	---
नेप			मक	24:59:42	00:01:43	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो			धनु	02:48:26	00:00:08	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			सिंह	00:06:09	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:37

लग्न-चलित

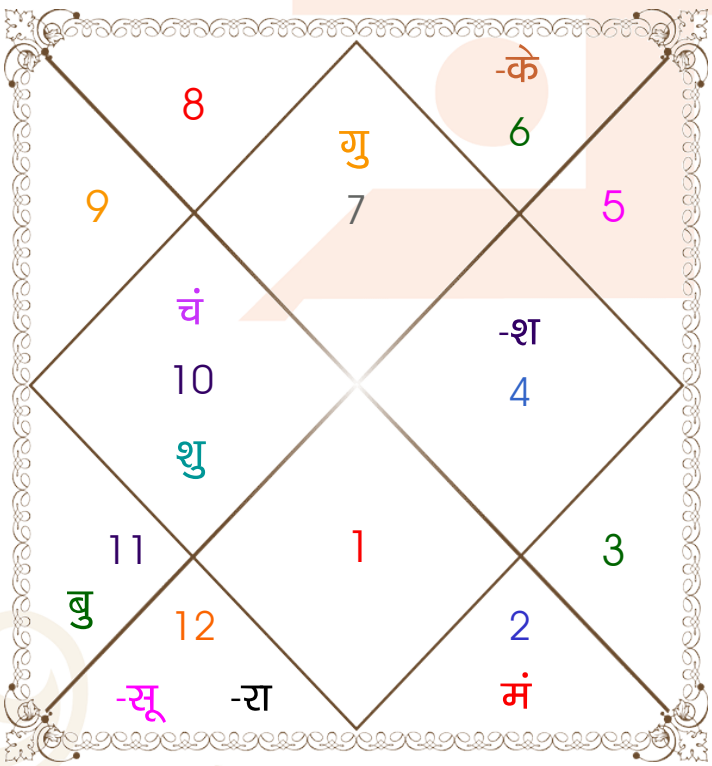

चन्द्र कुंडली

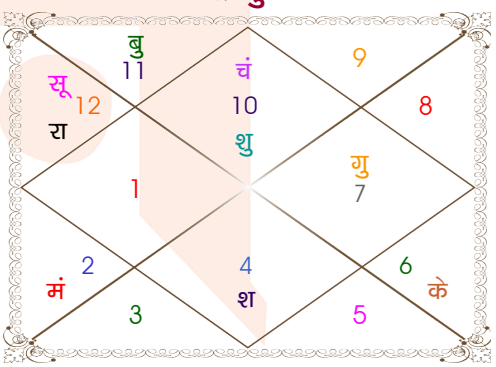

नवमांश कुंडली

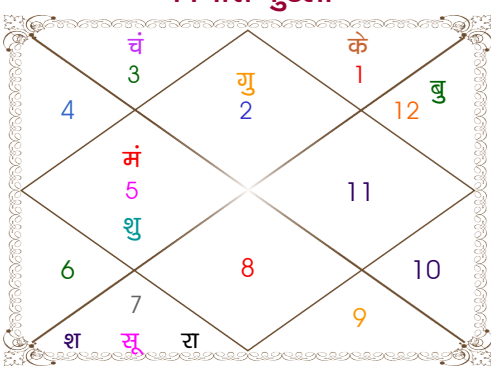

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 3 वर्ष 4 मास 29 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
25/03/2006		23/08/2009		23/08/2016		23/08/2034		23/08/2050	
23/08/2009		23/08/2016		23/08/2034		23/08/2050		23/08/2069	
	00/00/0000	मंगल	19/01/2010	राहु	06/05/2019	गुरु	11/10/2036	शनि	26/08/2053
	00/00/0000	राहु	07/02/2011	गुरु	29/09/2021	शनि	24/04/2039	बुध	05/05/2056
	00/00/0000	गुरु	14/01/2012	शनि	05/08/2024	बुध	30/07/2041	केतु	14/06/2057
	00/00/0000	शनि	22/02/2013	बुध	22/02/2027	केतु	06/07/2042	शुक्र	14/08/2060
	25/03/2006	बुध	19/02/2014	केतु	12/03/2028	शुक्र	06/03/2045	सूर्य	27/07/2061
बुध	23/11/2006	केतु	18/07/2014	शुक्र	12/03/2031	सूर्य	23/12/2045	चंद्र	25/02/2063
केतु	24/06/2007	शुक्र	17/09/2015	सूर्य	04/02/2032	चंद्र	24/04/2047	मंगल	05/04/2064
शुक्र	22/02/2009	सूर्य	23/01/2016	चंद्र	05/08/2033	मंगल	30/03/2048	राहु	10/02/2067
सूर्य	23/08/2009	चंद्र	23/08/2016	मंगल	23/08/2034	राहु	23/08/2050	गुरु	23/08/2069

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
23/08/2069		23/08/2086		23/08/2093		24/08/2113		25/08/2119	
23/08/2086		23/08/2093		24/08/2113		25/08/2119		00/00/0000	
बुध	20/01/2072	केतु	20/01/2087	शुक्र	23/12/2096	सूर्य	12/12/2113	चंद्र	24/06/2120
केतु	16/01/2073	शुक्र	21/03/2088	सूर्य	23/12/2097	चंद्र	12/06/2114	मंगल	23/01/2121
शुक्र	17/11/2075	सूर्य	27/07/2088	चंद्र	24/08/2099	मंगल	18/10/2114	राहु	25/07/2122
सूर्य	22/09/2076	चंद्र	25/02/2089	मंगल	24/10/2100	राहु	12/09/2115	गुरु	24/11/2123
चंद्र	22/02/2078	मंगल	24/07/2089	राहु	25/10/2103	गुरु	30/06/2116	शनि	24/06/2125
मंगल	19/02/2079	राहु	11/08/2090	गुरु	25/06/2106	शनि	12/06/2117	बुध	26/03/2126
राहु	07/09/2081	गुरु	18/07/2091	शनि	24/08/2109	बुध	19/04/2118		00/00/0000
गुरु	14/12/2083	शनि	26/08/2092	बुध	24/06/2112	केतु	24/08/2118		00/00/0000
शनि	23/08/2086	बुध	23/08/2093	केतु	24/08/2113	शुक्र	25/08/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 3 वर्ष 4 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।